



31 जुलाई 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट





प्रमुख खबरें

- आईएमएफ ने वित्त वर्ष-24 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.1% कर दिया है।
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार अप्रैल तक वैश्विक स्तर पर कुल कोयला आयात में भारत और चीन का योगदान लगभग आधा था। 2023 की पहली छमाही में दोनों देशों में कोयले की मांग 5.5 प्रतिशत बढ़ी है।
- सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में जनवरी से जून के बीच 16,552 इलेक्ट्रिक तीन पहिया का निर्माण किया गया, जबकि 2022 में जनवरी और जून के बीच 7,522 इलेक्ट्रिक तीन पहिया का निर्माण किया गया था।
- भारत में बिजली की मांग की वृद्धि दर, जो पिछले कैलेंडर वर्ष में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत थी, 2023 और 2024 में घटकर क्रमशः 6.8 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत होने की उम्मीद है: अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी।
- कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ (ग्रीष्मकालीन बुआई) सीजन में 21

जुलाई तक धान का बुआई क्षेत्र 3 प्रतिशत बढ़कर 180.2 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि दालों का रकबा 10 प्रतिशत घटकर 85.85 लाख हेक्टेयर रह गया है।

- भारतीय खाद्य निगम की 5वीं खुली नीलामी में प्रस्तावित गेहूँ के 94% की बिक्री हुई है। केंद्र की खुली बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत, ई-नीलामी के पांचवें दौर में प्रस्तावित 1.16 लाख टन गेहूँ में से कम से कम 94 प्रतिशत की बिक्री हुई।
- अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की। इस बढ़ोतरी के साथ, मुद्रास्फीति में कमी के संकेतों के बावजूद, फेडरल फंड दर 5.25-5.5 प्रतिशत के दायरे में पहुंच गई है, जो 2001 के बाद से उच्चतम स्तर है।
- आरबीआई सूचकांक से पता चलता है कि वित्त वर्ष-23 में डिजिटल भुगतान में 13.24% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक-डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) के अनुसार मार्च 2023 में सूचकांक 395.58 था, जबकि सितंबर 2022 में यह 377.46 था।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	21.07.23	27.07.23	बदलाव (%)
सीसेमसीड	18100.00	19285.00	6.55%
हल्दी	13180.00	13936.00	5.74%
ग्वारगम	12129.00	12390.00	2.15%
ग्वारसीड	5950.00	6059.00	1.83%
कपास	1533.00	1556.00	1.50%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	21.07.23	27.07.23	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6302.00	6547.00	3.89%
कपास	1480.00	1520.00	2.70%
निकल	1781.90	1812.90	1.74%
तांबा	726.90	735.20	1.14%
मेंथा ऑयल	890.80	893.70	0.33%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	21.07.23	27.07.23	बदलाव (%)
कॉटनऑयलसीडकेक	2410.00	2331.00	-3.28%
जीरा	60775.00	59655.00	-1.84%
धनिया	7568.00	7446.00	-1.61%
जौ	1894.00	1873.00	-1.11%
गुड़	1452.50	1440.50	-0.83%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	21.07.23	27.07.23	बदलाव (%)
सोना पेटल	5936.00	5897.00	-0.66%
सोना	59651.00	59403.00	-0.42%
सोना एम	59517.00	59281.00	-0.40%
सोना गिनी	48071.00	47896.00	-0.36%
लेड	184.70	184.10	-0.32%

साप्ताहिक समीक्षा

कमोडिटीज के लिए यह घटनाओं से भरपूर सप्ताह था। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और चीन में प्रोत्साहन की उम्मीद से सीआरबी इंडेक्स में बढ़त का रुख जारी रहा। फेड की बैठक प्रमुख घटना थी। जैसा कि अपेक्षित था, फेड द्वारा दरों में 25 आधार अंक (बीपीएस) की बढ़ोतरी के बाद डॉलर कमजोर हो गया। बेंचमार्क ब्याज दर को 5.25% -5.50% के दायरे में कर दिया गया और संभावित अमेरिकी मंदी के संबंध में अपनी भाषा को भी नरम कर दिया। लेकिन केंद्रीय बैंक ने श्रम बाजार में मजबूती और अपेक्षाकृत स्थिर मुद्रास्फीति का हवाला देते हुए सितंबर में फिर से संभावित बढ़ोतरी का दरवाजा भी खुला छोड़ दिया। इसी कारण से कमोडिटीज की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी के बावजूद डॉलर में कमजोरी से सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। एमसीएक्स पर सोने की कीमतें 59500 के करीब कारोबार कर रहा है और चांदी की कीमतें 76000 के करीब बंद हुई। लेकिन गुरुवार को उम्मीद से ड्यूरेबल गुड्स ऑर्डर और अमेरिका जीडीपी बेहतर आंकड़ों के कारण कीमतें फिसल गईं। बेस मेटल में केवल लेड ही था जिसकी कीमतों में गिरावट देखी गई। डॉलर में कमजोरी से ज्यादातर बेस मेटल में तेजी आई। लेकिन तांबे की कीमतों में बढ़त सीमित रही क्योंकि बाजार प्रमुख आयातक चीन में प्रोत्साहन उपायों पर अधिक संकेतों का इंतजार कर रहा था। शीर्ष उपभोक्ता चीन ने घरेलू मांग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए नीतिगत समर्थन बढ़ाने का वादा किया। चीन, जिसने इस वर्ष लगभग 5% की आर्थिक वृद्धि का मामूली लक्ष्य निर्धारित किया है, उचित समय पर संपत्ति नीतियों को समायोजित और अनुकूलित करेगा। एलएम्ई प्रणाली में धातु की उपलब्धता के बारे में चिंताओं को कम करने से तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर नकद तांबे के लिए छूट 32.25 डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गई है, जो दो महीने में सबसे अधिक है, जबकि एक महीने पहले 31 डॉलर का प्रीमियम था। तेल की कीमतें बढ़ीं क्योंकि निवेशकों ने शीर्ष तेल उत्पादकों से कम आपूर्ति की उम्मीदों पर ध्यान केंद्रित किया। इसके पहले अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से मांग प्रभावित होने की आशंका से तेल की कीमतों में गिरावट हुई थी जिसकी भरपायी करने में मदद मिली। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता चीन में आर्थिक प्रोत्साहन के वादे से भी बाजार को समर्थन मिला। सऊदी अरब और रूस द्वारा उत्पादन में कटौती के साथ-साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को सहारा देने के चीनी अधिकारियों के वादे के कारण आपूर्ति में कमी के संकेत से तेल की कीमतें चार सप्ताह से बढ़ी हैं। वातानुकूलन के लिए कम मांग के कारण नेचुरल गैस की कीमतें रेजिस्टेंस स्तर को पार करने में असमर्थ रहीं।

कृषि क्षेत्र में जीरा की कीमतें कम हो गईं जबकि हल्दी की कीमतें कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। रकबा घटने से हल्दी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और बुआई की धीमी प्रगति से कीमतों में मजबूती आने की संभावना है। रकबा पहले ही गिर चुका है और अब प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उपज भी कम होने की संभावना है। त्योहारी और शादी की मांग में कमी के कारण जीरा की कीमतों में गिरावट देखी गई और अगस्त में तुर्की में नई आवक शुरू होने के साथ वैश्विक आपूर्ति परिदृश्य में सुधार से निकट भविष्य में कीमतों में गिरावट रहने की संभावना है। मध्य और उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादक राज्यों में भारी बारिश के कारण धनिया की कीमतें भी मजबूत हुईं। निर्यात पूछताछ बढ़ने से भी गिरावट पर अंकुश लगेगा। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समयवधि के दौरान पिछले वर्ष के 6.23 हजार टन के मुकाबले लगभग 35.4 हजार टन का निर्यात किया। गुजरात में अत्यधिक वर्षा के कारण फसल क्षति की रिपोर्ट के कारण कॉटनऑयलसीडकेक वायदा और कपास वायदा की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। मानसून की चिंताओं के कारण महाराष्ट्र और तेलंगाना में बुआई में देरी हुई है।



हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	21.07.2023	27.07.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	1,883.65	1,864.60	-1.01%
चना	दिल्ली	5,244.10	5,369.40	2.39%
धनिया	कोटा	7,486.90	7,734.70	3.31%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	838.75	841.45	0.32%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,444.55	1,434.40	-0.70%
ग्वारसीड	जोधपुर	5,986.70	5,979.00	-0.13%
ग्वारगम	जोधपुर	12,179.15	12,219.00	0.33%
जीरा	ऊझा	61,362.60	60,762.30	-0.98%
सरसों	जयपुर	5,698.55	5,809.00	1.94%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	965.00	987.50	2.33%
सोयाबीन	इंदौर	5,074.10	5,157.75	1.65%
हल्दी	निजामाबाद	11,882.80	12,619.65	6.20%
गेहूं	दिल्ली	2,449.15	2,469.50	0.83%
कॉटन	कड़ी	27,249.70	28,158.05	3.33%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,500.05	2,446.85	-2.13%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	21.07.2023	27.07.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2204.50	2205.00	0.02%
तांबा	LME	नकद	8452.00	8569.00	1.38%
लेड	LME	नकद	2139.50	2158.00	0.86%
निकल	LME	नकद	20769.00	21689.00	4.43%
जिंक	LME	नकद	2372.00	2454.00	3.46%
सोना	COMEX	अगस्त	1966.60	1945.70	-1.06%
चांदी	COMEX	सितम्बर	24.73	24.24	-1.96%
लाइट क्रूड	NYMEX	सितम्बर	77.07	80.09	3.92%
नेचुरल गैस	NYMEX	अगस्त	2.71	2.49	-8.15%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	21.07.2023	27.07.2023	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	अगस्त	15.01	15.32	2.07%
सोया तेल	CBOT	सितम्बर	66.02	65.82	-0.30%
कॉटन	ICE	दिसम्बर	84.48	84.38	-0.12%
सीपीओ	BMD	अक्टूबर	4,035.00	4,026.00	-0.22%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	20.07.2023 क्वांटिटी	27.07.2023 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	0	0	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	8407	8467	60
चना	मी.टन	12154	12074	-80
धनिया	मी.टन	17963	17700	-263
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	16016	16672	656
ग्वारगम	मी.टन	19062	19444	382
ग्वारसीड	मी.टन	150	150	0
जीरा	मी.टन	5783	5694	-89
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉग	मी.टन	632	632	0
हल्दी	मी.टन	1163	1172	9

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	21.07.2023 क्वांटिटी	26.07.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	585	740	155
तांबा	मी.टन	805680	722609	-83071
सोना	किग्रा	359	359	0
सोना मिनी	किग्रा	2824	2824	0
सोना गिनी	किग्रा	382500	261500	-121000
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	93172	97135	3963
चांदी एम	किग्रा	40502	40502	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 21.07.2023	स्टॉक की स्थिति 27.07.2023	अंतर
एल्युमीनियम	512500	511000	-1500.00
तांबा	60225	62250	2025.00
निकल	37758	37590	-168.00
लेड	51625	52975	1350.00
जिंक	89175	96075	6900.00



ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	अगस्त	59655.00	14.03.23	तेजी	32000.00	58240.00	-	58000.00
NCDEX	हल्दी	अगस्त	13936.00	06.04.23	तेजी	7035.00	13520.00	-	13500.00
NCDEX	ग्वारसीड	अगस्त	6059.00	28.06.23	तेजी	5350.00	5930.00	-	5900.00
NCDEX	कैस्टरसीड	अगस्त	6386.00	15.06.23	तेजी	5750.00	6270.00	-	6250.00
NCDEX	स्टील लांग	अगस्त	44020.00	30.01.23	मंदी	50000.00	-	45150.00	45200.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	अगस्त	2331.00	11.04.23	मंदी	2800.00	-	2570.00	2600.00
MCX	मेंथा ऑयल	अगस्त	893.70	14.03.23	मंदी	1015.00	-	897.00	900.00
MCX	बुलडेक्स	अगस्त	15995.00	12.07.23	तेजी	15900.00	15730.00	-	15700.00
MCX	चांदी	सितम्बर	73747.00	12.07.23	तेजी	72000.00	71150.00	-	71000.00
MCX	सोना	अगस्त	58950.00	12.07.23	तेजी	59000.00	58100.00	-	58000.00
MCX	तांबा	अगस्त	735.20	13.07.23	तेजी	730.00	717.00	-	715.00
MCX	लेड	अगस्त	184.10	13.07.23	साइडवेज	182.00	180.00	189.00	-
MCX	जिंक	अगस्त	218.05	13.07.23	तेजी	215.00	203.00	-	200.00
MCX	एल्युमिनियम	अगस्त	198.25	12.07.23	साइडवेज	199.00	191.00	190.00	-
MCX	कच्चा तेल	अगस्त	6562.00	12.07.23	तेजी	6050.00	6230.00	-	6200.00
MCX	नेचुरल गैस	अगस्त	212.20	12.07.23	मंदी	220.00	-	237.00	240.00

*27/07/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लास बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लास को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में पड़बूती आती दिखेगी। इस स्थिति में स्टॉप लास अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर प्राक को देखते हैं और लम्बे समय तक के रुझानों को लेते हैं।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान योजना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स



कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स

उच्चस्तर: 6618.00

निचला स्तर: 5574.00

एमसीएक्स में कच्चा तेल (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 27 जुलाई 2023 को 6562.00 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोजेनसियल मूविंग औसत 6019.26 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 76.921 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6200.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 6900.00 ₹ के टारगेट के लिए 6400.00 ₹ के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कैस्टरसीड (अगस्त) एनसीडीईएक्स



कैस्टरसीड (अगस्त) एनसीडीईएक्स

उच्च स्तर: 6504.00

निचला स्तर: 5539.00

एनसीडीईएक्स में कैस्टरसीड (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 27 जुलाई 2023 को 6368.00 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोजेनसियल मूविंग औसत 5953.46 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 71.482 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6200.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 6700.00 ₹ के टारगेट के लिए 6350.00 ₹ के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

नेचुरल गैस (अगस्त) एमसीएक्स



नेचुरल गैस (अगस्त) एमसीएक्स

उच्च स्तर: 241.50

निचला स्तर: 190.10

एमसीएक्स में नेचुरल गैस (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 27 जुलाई 2023 को 212.20 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोजेनसियल मूविंग औसत 216.778 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 49.189 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

230.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 195.00 ₹ के टारगेट के लिए 220.00 ₹ के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।



अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में तेजी देखी गई और कीमतें 14000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं और 16070 के अब तक के उच्चतम स्तर की ओर बढ़ रही हैं। जून में मानसून की धीमी प्रगति के कारण बुआई में पहले ही देरी हो चुकी है और अब भारी वर्षा के कारण प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्टॉकिसट और मसाला मिलें बहुत सक्रिय हैं और आपूर्ति के कमजोर अनुमान को देखते हुए आक्रामक खरीदारी कर रहे हैं। बुआई के समय मानसून की चिंताओं के कारण वर्ष 2023 में हल्दी का क्षेत्रफल 15-20% कम होने का अनुमान है, जो मिल मालिकों और स्टॉकिसटों को आक्रामक खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके अलावा, मजबूत निर्यात मांग के कारण कीमतों की तेजी को मदद मिल रही है। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समय अवधि के दौरान पिछले वर्ष के 30.9 हजार टन की तुलना में लगभग 39.42 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जो साल-दर-साल 28% अधिक है। हल्दी वायदा(अगस्त) की कीमतों के 13500-16100 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

पिछले सप्ताह जीरा वायदा में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला, क्योंकि सप्ताह के पहले भाग में मुनाफावसूली के बाद कीमतें इस सप्ताह बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब हुईं। आपूर्ति की कमी और सक्रिय निर्यात के कारण जीरा की कीमतों को मदद मिल रही है। अप्रैल-मई के लगातार दो महीनों में निर्यात पिछले वर्ष के 23 हजार टन की तुलना में बढ़कर 47 हजार टन हो गया, लेकिन अब आने वाले महीनों में निर्यात कम होने की संभावना है। गुजरात और राजस्थान में भारी वर्षा से आवक की गति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। त्योहारी और शादी के सीजन की मांग में मंदी के कारण जीरा की कीमतों में बढ़त सीमित रहने की संभावना है। तुर्की में आवक शुरू होने के साथ आने वाले हफ्तों में वैश्विक आपूर्ति में भी सुधार होगा। मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता के कारण सीरियाई जीरा की मांग में भी सुधार हुआ है जिसका असर भारतीय जीरा की कीमतों पर पड़ेगा। जीरा वायदा(अगस्त) की कीमतों के 55000-63000 के दायरे में रहने की संभावना है।

मुख्य रूप से बाजार में आवक की गति धीमी होने के कारण धनिया वायदा की कीमतों में तेजी की संभावना है। भारत के मध्य और पश्चिमी क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण आवक की गति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, निर्यात पृष्ठताछ बढ़ने से कीमतों को तेजी के रुझान के साथ कारोबार करने में भी मदद मिलेगी। भारत ने भारत ने अप्रैल-मई-23 की समयवधि के दौरान पिछले वर्ष के 6.23 हजार टन के मुकाबले लगभग 35.4 हजार टन का निर्यात किया। धनिया (अगस्त) की कीमतों के 7300-8200 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

गुजरात और राजस्थान में फसल के नुकसान की रिपोर्ट के कारण कपास की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। गुजरात में भारी बारिश के कारण भारत के उत्तरी और मध्य भाग में कपास की फसल के लिए जल जमाव की समस्या पैदा हो गई है, जिससे फसल को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, सूती धागे की मांग में सुधार से भी बाजार के सेंटीमेंट को समर्थन मिलने की संभावना है। लेकिन बुआई की बेहतर प्रगति से बढ़त सीमित हो सकती है। 21 जुलाई तक गुजरात में लगभग 25.39 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई है जबकि 2022 में 23.11 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। वर्ष 2023 में पूरे भारत में कपास का कुल रकबा 109.6 लाख हेक्टेयर हो गया है जबकि समान अवधि में पिछले वर्ष 109.9 लाख हेक्टेयर था। एमसीएक्स पर कॉटन (अगस्त) की कीमतों के 54000-58000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1500-1580 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

उत्तर भारत में मानसूनी बारिश की अच्छी प्रगति के साथ हरे चारे की उपलब्धता बढ़ने के कारण कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतों में गिरावट की संभावना है। अन्य ऑयलमील के बढ़ते उत्पादन अनुमान से भी कीमतों पर असर पड़ेगा। कॉटनसीडऑयलकेक(अगस्त) वायदा की कीमतों के 2200-2370 के दायरे में रहने की संभावना है।

मौजूदा समय में मौसम की अनिश्चितता के कारण ग्वारसीड (अगस्त) वायदा की कीमतों में तेजी के रुझान के साथ कारोबार होने की संभावना है क्योंकि पश्चिमी राजस्थान में भारी बारिश के कारण फसल खराब होने का डर है। 27 जुलाई तक राजस्थान में ग्वार की बुआई लगभग 22.67 लाख हेक्टेयर में की गई, जबकि पिछले साल 26.17 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। लेकिन ग्वारगम की कमजोर निर्यात मांग के कारण बढ़त सीमित हो सकती है। निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतें 5800-6450 के दायरे में कारोबार कर सकती है जबकि ग्वारगम की कीमतों के 11300-14000 के दायरे में रहने की संभावना है।

नई फसल की आपूर्ति बढ़ने से मेंथा ऑयल वायदा (अगस्त) की कीमतों में गिरावट की संभावना है। उत्तर प्रदेश और बिहार में कटाई गतिविधियों में तेजी आने से आपूर्ति बढ़ गई है। अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण उपज बढ़ने से उत्पादन की संभावनाओं में सुधार हुआ है। इसके अलावा, मेथॉल के कमजोर निर्यात की रिपोर्ट से कीमतों पर दबाव पड़ेगा। मेंथा ऑयल की कीमतों के 860-920 के दायरे में रहने की संभावना है।

गुजरात में अरंडी के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्ट के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। बुआई गतिविधियां बेहतर गति से चल रही हैं क्योंकि पूरे भारत में अब तक लगभग 1.66 लाख हेक्टेयर में अरंडी की बुआई हुई है, जबकि पिछले वर्ष 0.53 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। इसके अलावा, अरंडी तेल की कमजोर मांग से भी निकट अवधि में कीमतों पर दबाव रह सकता है। भारत ने अप्रैल-23-मई-23 के दौरान लगभग 120 हजार टन अरंडी के तेल का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 143 हजार टन के मुकाबले 16% कम है। चीन अरंडी के तेल का प्रमुख आयातक रहा है, लेकिन उपरोक्त अवधि के दौरान इसकी खरीदारी साल-दर-साल 7% घटकर 63 हजार टन रह गई। लेकिन गुजरात में मौजूदा मौसम की अनिश्चितता से गिरावट सीमित रह सकती है। अरंडी (अगस्त) वायदा की कीमतों के 6200-6550 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्पा

मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में 0.4% की भारी गिरावट दर्ज की गई। उच्च ब्याज दरों वाले माहौल में मजबूत आंकड़ों के कारण डॉलर और बांड यील्ड दोनों को बढ़ावा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सोने की कीमतों में पांच सप्ताह में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट हुई है। गिरावट के बावजूद, बाजार में कुछ अनिश्चितता दिखाई दे रही है, जिससे सोने की कीमतों में तेजी के प्रति दृढ़ विश्वास की कमी हो गई है। यह अनिर्णय बैंक ऑफ जापान की आसन्न बैठक के कारण हुआ है, जिसमें अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी यील्ड वक्र नियंत्रण नीति में समायोजन के संबंध में चर्चा हो सकती है। परिणामस्वरूप, कारोबारी घटनाक्रम के प्रति सतर्क और चौकस हैं। पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुके एशियाई शेयरों में गिरावट हुई है और बेहद कम ब्याज दरों पर बैंक ऑफ जापान को लेकर अटकलों के कारण येन में तेज बढ़त दर्ज की गई है। यह अनुमान लगाया गया है कि बैंक अपनी वर्तमान कम-दर नीति को बनाए रख सकता है लेकिन अपनी यील्ड नियंत्रण नीति के जीवनकाल को बढ़ाने के लिए मामूली बदलाव कर सकता है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स और बेंचमार्क 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड गुरुवार की ऊंचाई के करीब कारोबार कर रही है, जो दूसरी तिमाही में उम्मीद से अधिक तेज आर्थिक वृद्धि का संकेत देने वाले आंकड़ों के जारी होने के बाद पहुंची है। इससे संभावित मंदी की चिंताएं कम हो गई हैं और फंडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में अधिक बढ़ोतरी लागू करने की संभावना बढ़ गई है। कॉमेक्स पर सोने की कीमत 1920-1980 डॉलर के व्यापक दायरे में कारोबार कर रही है। चांदी की कीमतें 22.700-25.100 डॉलर के दायरे में कारोबार जारी रख सकती हैं। इस सप्ताह में, एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में बिकवाली का दबाव बना रह सकता है, जहां इसे 58000 के करीब सपोर्ट मिल सकता है और 60100 के करीब रजिस्ट्रेस का सामना करना पड़ सकता है। चांदी की कीमतें 70000-75000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार पांचवीं साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है, जो एक साल से अधिक समय में इस तरह की बढ़त का सबसे लंबा सिलसिला है। कीमतों में बढ़ोतरी का कारण यह है कि कच्चे तेल के बाजार में आपूर्ति कम होती जा रही है और आर्थिक परिदृश्य में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में, कच्चे तेल के स्टॉक में गिरावट से कच्चे तेल के वायदा को समर्थन मिला है, जो ईंधन की बढ़ती मांग और ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी के बारे में चिंताओं को कम करने का संकेत दे रहा है। ब्रेंट कच्चे तेल में एक महीने पहले की तुलना में लगभग 10 डॉलर की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की गति को रेखांकित करता है। 21 जुलाई को समाप्त सप्ताह में, अमेरिकी कच्चे तेल के स्टॉक में 600,000 बैरल की गिरावट हुई, जिससे बाजार का सेंटीमेंट अधिक मजबूत हुआ। सकारात्मक आर्थिक संकेतकों ने भी कच्चे तेल की कीमतों में तेजी में योगदान दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में दूसरी तिमाही में 2.4% की वृद्धि हुई, जो पहली तिमाही में 2% की वृद्धि को पार कर गई और 1.6% के अनुमान से अधिक हो गई। इन घटनाक्रमों के बीच, बुधवार को अमेरिकी फंडरल रिजर्व ने मार्च 2022 के बाद से अपनी 11वीं ब्याज दर वृद्धि लागू की, जिससे दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी हुई। यह कदम देश की अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के फेड के प्रयासों का हिस्सा है। आने वाले सप्ताह में कीमतों में खरीदारी जारी रह सकती है और कीमतें 6200-6800 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नेचुरल गैस की कीमतें 2 डॉलर के मध्य मूल्य से आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। मौसम के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि अगस्त का तापमान जुलाई की तुलना में कम हो सकता है, जिससे गैस कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है, जो इस महीने की अत्यधिक गर्मी के बाद की आगे भी बढ़ने की उम्मीद कर रहे थे, जिससे एयर कंडीशनिंग की मांग से संबंधित बिजली की खपत बढ़ सकती है। नेचुरल गैस की कीमतें 200-230 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।



बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं क्योंकि अधिक कमजोर आंकड़ों के बाद चीन में कमजोर मांग की चिंताओं और डॉलर के मजबूत होने के कारण कीमतों पर दबाव रह सकता है। दूसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के अपेक्षा से अधिक तेजी से बढ़ने से मंदी की आशंका कम होने के बाद फेड द्वारा ब्याज दरों में अधिक बढ़ोतरी की संभावना से डॉलर मजबूत हो सकता है। शीर्ष उपभोक्ता चीन ने घरेलू मांग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए नीतिगत समर्थन बढ़ाने का वादा किया है, लेकिन वादों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन उपायों पर अभी अधिक विवरण जारी करना बाकी है। चीन के औद्योगिक मुनाफे में इस साल जून में गिरावट दहाई अंक की गति से बढ़ गई क्योंकि घटती मांग ने कंपनियों के लाभ मार्जिन पर असर डाला। लेकिन अगर चीन अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए बाजार की अपेक्षा से अधिक स्टीमुलस जारी करता है, तो अधिक मांग की उम्मीद से कीमतों को समर्थन मिल सकता है। तांबे की कीमतें 725-750 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एलएमई-पंजीकृत गोदामों में उपलब्ध स्टॉक में बढ़ोतरी के बाद लंदन मेटल एक्सचेंज पर तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर निकटतम डिलीवरी के लिए तांबे की छूट दो महीने के शिखर पर पहुंच गई है। जिंक की कीमतें 210-225 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। सिंगापुर में डिलीवरी में वृद्धि के कारण मई 2022 के बाद पहली बार जिंक का एलएमई स्टॉक 90,000 मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। लोड की कीमतें 180-188 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्यूमीनियम की कीमतें 192-205 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। इंटरनेशनल एल्यूमीनियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 की पहली छमाही में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्यूमीनियम उत्पादन साल-दर-साल 1.8% बढ़कर 34.212 मिलियन मीट्रिक टन हो गया, जिसका मुख्य कारण चीन में उच्च उत्पादन था। कम मांग के कारण स्टील लॉंग वायदा (अगस्त) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 43000-45000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

सोने के ईटीएफ की होल्डिंग्स..... बाजार जोखिम के मुकाबले सुरक्षित निवेश

सोने का एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (गोल्ड ईटीएफ) सोने की मांग का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। संस्थागत और व्यक्तिगत निवेशक इसका अच्छी तरह से विविध निवेश रणनीतियों के हिस्से के रूप में उपयोग करते हैं।

जून 2023 में सोने के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों की होल्डिंग में से शुद्ध निकासी दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर सोने के ईटीएफ की सामूहिक होल्डिंग 56 टन (3.7 बिलियन डॉलर) कम होकर 3,422 टन रह गई, जबकि प्रबंधन के तहत उनकी कुल संपत्ति 211 बिलियन डॉलर रह गई, जो जून महीने में 4 प्रतिशत कम है। जून के अंत तक वैश्विक स्तर पर सोने के ईटीएफ की सामूहिक होल्डिंग फरवरी के बाद से सबसे कम हो गई है, जो साल-दर-साल 10% कम और अक्टूबर 2020 के 3,919 टन के रिकॉर्ड से 13% कम है।

डब्ल्यूजीसी ने नोट किया कि जून की शुरुआत में प्रमुख बाजारों में इक्विटी बाजार के बेहतर प्रदर्शन ने सोने जैसी जोखिम-रहित संपत्तियों से ध्यान हटा दिया है। फिर भी पिछले महीने की गिरावट के बावजूद, सोने के ईटीएफ में वर्ष 2023 में शुद्ध बढ़ोतरी हुई। बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता और संभावित वैश्विक मंदी को लेकर चिंताओं से ईटीएफ की मांग में वृद्धि हुई।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार होल्डिंग में से अधिकांश निकासी तब हुई जब लगातार अधिक मुद्रास्फीति के दबाव के कारण प्रमुख केंद्रीय बैंकों की सख्ती के बीच महीने की दूसरी छमाही के दौरान सोने की कीमत में गिरावट हुई।

लेकिन, वर्ष के पहले दो महीनों में यूरोपीय ईटीएफ से निकासी के कारण, 2023 के पहले चार महीनों में सोने के ईटीएफ की मांग 13 टन की गिरावट हुई, जो 654 मिलियन अमेरिकी डॉलर की शुद्ध निकासी है।

फेड ब्याज दरें और सोने की होल्डिंग

फेड ने अपने नवीनतम दर-वृद्धि की प्रक्रिया मार्च 2022 में शुरू की, जब यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने वैश्विक स्थिरता को खतरे में डाल दिया था और सोने की कीमतें बढ़ गई थीं। सोने की कीमत में निरंतर मजबूती के कारण सोने के ईटीएफ की होल्डिंग में बढ़ोतरी होने लगी। लेकिन जब फेड ने मुद्रास्फीति को कम करने के लिए दर वृद्धि के निरंतर कार्यक्रम के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया, तो सोने की कीमतें कम होने लगी। मार्च में 2,000 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर से, सोने की कीमतों में 2022 तक उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहा, और कीमतें 1,630 डॉलर के आसपास तिगुने निचले स्तर तक पहुंच गईं। 2023 में, सोने की कीमतों में सुधार होना शुरू हुआ, जो जनवरी के मध्य में 1,900 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गई, साथ ही मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत और फेड दरों में बढ़ोतरी से मंदी की उम्मीद भी है।

फेड ने 26 जुलाई 2023 को ब्याज दरों में चौथाई प्रतिशत की बढ़ोतरी की, बेंचमार्क ब्याज दर को 5.25% -5.50% के दायरे में कर दिया, और इस बात पर प्रकाश डाला कि आगामी आंकड़ों को देखने के बाद सितंबर की बैठक में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी संभवतः हो सकती है। पॉवेल के आक्रामक बयानों ने निवेशकों की दर की उम्मीदों को लगातार ऊंचा कर दिया। ब्याज दरें बढ़ने पर सोने के ईटीएफ होल्डिंग्स में बढ़ोतरी होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब नकदी रखने की अवसर लागत कम हो जाती है तो सोना निवेश के रूप में अधिक आकर्षक हो जाता है। लेकिन, ऐतिहासिक आंकड़ों के अनुसार बढ़ती ब्याज दरें और सोने की गिरती कीमतों के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं होता है।

ब्याज दर बढ़ने की गति को ध्यान में रखते हुए- साथ ही यह कितने समय तक कायम रहता है, बढ़ती मुद्रास्फीति और बढ़ती ब्याज दरों के बीच निवेशक गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं। सोने की बढ़ती कीमतों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते जोखिमों के साथ, निवेशकों ने सोने के ईटीएफ की ओर रुख किया। पिछले वर्ष सोने के ईटीएफ होल्डिंग्स में लगभग 10% की वृद्धि हुई है। यह प्रवृत्ति निकट भविष्य में भी जारी रहने की संभावना है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश संपत्ति और मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव की तलाश जारी रखे हुए हैं।





आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:

11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:

Lotus Corporate Park, AWing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:

18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशासनात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बाँबे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्प्लेक्स नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एसएमसी एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड सेबी (रिसेच एनालिस्ट) रजुलेशन 2014 के तहत रिसेच एनालिस्ट के साथ रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एगेंसिटी द्वारा सिन्क्रोरीटिज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्बंधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसेच एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसेच एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

दिसक्लेमर: यह रिसेच रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन को गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसको (अ) समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।